स्वर्ग के राज्य के बारे में तुम अभी क्या सोच रहे हो?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

क्या तुमने कभी रुककर यह सोचा है कि स्वर्ग के राज्य के बारे में तुम्हारे मन में अभी क्या विचार चल रहे हैं?

क्या तुमने कभी यह भी विचार किया है कि हमारे बाद आने वाली पीढ़ियों की आध्यात्मिक अवस्था कैसी होगी? यदि आज की पीढ़ी अगले 20 वर्षों तक जीवित न रहे, तो भविष्य की पीढ़ियाँ आध्यात्मिक रूप से कैसी होंगी? हमारे चारों ओर नैतिक मूल्यों का तेज़ी से गिरना देखकर, क्या तुमने सोचा है कि तुम आज क्या कर रहे हो ताकि आने वाली पीढ़ियाँ जीवन की रोटी से वंचित न रहें?

हम एक ऐसी पीढ़ी का हिस्सा हैं जो दिन-ब-दिन गिरती जा रही है। क्या तुमने यह विचार किया है कि अगले दस वर्षों में चीजें कैसी हो सकती हैं? यदि तुम्हें लगता है कि भविष्य आज से भी बुरा हो सकता है, तो अपने आप से यह भी पूछो: मैं आज क्या कर रहा हूँ ताकि जब वह समय आए, शैतान को कोई अवसर न मिले?

याद रखो—यदि तुम आज अपना समय, अपना मन और अपनी शक्ति परमेश्वर के राज्य के लिए सोचने और कार्य करने में नहीं लगाते, तो भी परमेश्वर अपना काम दूसरों के द्वारा करता रहेगा, क्योंकि उसका काम रुक नहीं सकता। लेकिन यदि तुम इसमें भाग नहीं लेते, तो तुम स्वर्गीय प्रतिफलों से वंचित हो सकते हो।

दो बाइबिल के उदाहरण: दानिय्येल और यूसुफ

स्वर्ग के राज्य के बारे में तुम अभी क्या सोच रहे हो?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

स्वर्ग के राज्य को बढ़ाने के लिए प्रेरणा और बुद्धि पाने के लिए, आइए बाइबिल के दो पुरुषों को देखते हैं—दानिय्येल और यूसुफ। दोनों को स्वप्नों को समझने की वरदान मिली थी, पर दोनों का दृष्टिकोण भिन्न था।

दानिय्येल

बाबुल के राजा नबूकदनेस्सर ने एक अशांत करने वाला स्वप्न देखा, पर वह उसका विवरण भूल गया था। दानिय्येल ने प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसे स्वप्न और उसका अर्थ दोनों प्रकट किए। उसने साहसपूर्वक राजा के सामने स्वप्न की व्याख्या की, और सबकुछ ठीक वैसे ही पूरा हुआ। राजा ने दानिय्येल को अत्यधिक सम्मान दिया—पर वह सम्मान उतना नहीं था जितना यूसुफ को मिला।

यूसुफ

मिस्र के राजा फिरौन ने भी स्वप्न देखा—और वह अपने स्वप्न को ठीक-ठीक याद रखता था। यूसुफ ने न केवल स्वप्न की व्याख्या की, बल्कि एक बुद्धिमान योजना भी प्रस्तुत की। वह जानता था कि झूठे ज्योतिषी गलत उत्तर देंगे, और ऐसा ही हुआ। लेकिन यूसुफ की व्याख्या विशिष्ट थी क्योंकि उसके साथ व्यवहारिक और दूरदर्शी मार्गदर्शन भी था।

स्वर्ग के राज्य के बारे में तुम अभी क्या सोच रहे हो?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

यूसुफ की स्वीकृत व्याख्या का रहस्य

यूसुफ ने केवल सात वर्षों की समृद्धि और सात वर्षों के अकाल का पूर्वानुमान नहीं दिया—उसने यह भी बताया कि उससे पहले क्या तैयारी करनी चाहिए:

उत्पत्ति 41:28–40

“हे राजा, यह वही बात है जो मैंने पहले तुमसे कही थी:
परमेश्वर ने तुम्हें दिखाया है कि वह क्या करने वाला है…
सात वर्ष तक मिस्र देश में बहुतायत होने वाली है। उसके बाद सात वर्ष का भयंकर अकाल पड़ेगा…

इसलिए राजा को चाहिए कि वह किसी बुद्धिमान और समझदार व्यक्ति को पूरे मिस्र का प्रभारी बनाए। राजा को चाहिए कि वह प्रबंधक नियुक्त करे और सात समृद्ध वर्षों में उपज का पाँचवाँ हिस्सा इकट्ठा करे… यह अन्न सात वर्षों के अकाल के लिए भंडार रहेगा…

तब राजा ने अपने अधिकारियों से कहा, ‘क्या हम ऐसा व्यक्ति पा सकते हैं जिसमें परमेश्वर का आत्मा हो?’ और राजा ने यूसुफ से कहा, ‘चूँकि परमेश्वर ने तुम्हें यह सब बताया है, तुम्हारे समान कोई बुद्धिमान और समझदार नहीं है… तुम मेरे घर का

स्वर्ग के राज्य के बारे में तुम अभी क्या सोच रहे हो?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

प्रधान रहोगे और मेरे सारे लोग तुम्हारे आदेश का पालन करेंगे।’”

यूसुफ की बुद्धि इस बात में थी कि उसने प्रकाशन को व्यवहारिक कार्यों के साथ जोड़ा। यदि अकाल न भी आता, तो भी बहुतायत के वर्षों में अन्न संग्रह करना समझदारी होती। यही दूरदर्शिता उसे फिरौन के सामने अद्वितीय कृपा दिलाने का कारण बनी—जो दानिय्येल को नबूकदनेस्सर से भी अधिक सम्मान थी।

आज हमारे लिए इसका क्या अर्थ है?

क्या तुम यूसुफ के समान परमेश्वर की कृपा चाहते हो?

तो अभी से मसीह के सुसमाचार और उसके भविष्य के बारे में गंभीरता से सोचना शुरू करो।

•यदि तुम प्रचारक हो: अगली पीढ़ियों में निवेश करो—विश्वासपूर्वक प्रचार करो और चेलों को तैयार करो।

•यदि तुम समर्थन करने वाले हो: उदारतापूर्वक योगदान करो ताकि सुसमाचार फैल सके, और बच्चे जो बड़े होंगे, उन्हें चर्च कम और क्लब, बार अधिक न मिलें।

स्वर्ग के राज्य के बारे में तुम अभी क्या सोच रहे हो?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

•यह न होने दो कि बुराई के समूह सच्चे सुसमाचार चाहने वालों से अधिक बढ़ जाएँ।

शैतान केवल इस पीढ़ी को ही नहीं, बल्कि आने वाली कई पीढ़ियों को नष्ट करने की रणनीति बना चुका है। ऐसे में हमें, जो मसीह में विश्वास करने का दावा करते हैं, कैसी प्रतिक्रिया देनी चाहिए?

यदि तुमने सच्चा सुसमाचार प्राप्त किया है, तो उसे अगली पीढ़ियों के लिए स्पष्ट और सुगम बनाओ। इसी प्रकार परमेश्वर तुम्हें अनुग्रह प्रदान करेगा।

नीतिवचन 13:22

“एक भला मनुष्य अपनी संपत्ति अपने बच्चों के बच्चों के लिए छोड़ जाता है…”

आओ हम यूसुफ से सीखें और एक स्थायी आत्मिक विरासत छोड़ते हुए परमेश्वर की कृपा पाने का प्रयत्न करें।

अंतिम विचार

स्वर्ग के राज्य के बारे में तुम अभी क्या सोच रहे हो?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

स्वर्ग का राज्य केवल एक भविष्य की आशा नहीं है—यह वर्तमान की जिम्मेदारी है।

यह हमारी समय, संसाधन और प्रभाव की बुद्धिमान प्रबंधकता मांगता है।

यूसुफ की तरह, प्रकाशन और व्यावहारिक बुद्धि दोनों वाले व्यक्ति बनो।

आज ही परमेश्वर का राज्य बनाओ, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ जीवन की रोटी का स्वाद चख सकें।

मरानाथा!

Share on:
WhatsApp